

**Media Coordinator's Office  
Jamia Millia Islamia**

**October 26, 2016**

**Press Release**

**Jamia Millia Islamia Professor elected National Academy of Science, India Fellow**

Anjan Ananda Sen, Professor, Centre for Theoretical Physics at Jamia Millia Islamia has been elected fellow of the coveted Allahabad-based National Academy of Science, India (NASI) for the year 2016.

Prof. Sen has been elected to NASI for 'his significant contribution to cosmology, especially dark-energy, within the scalar field model and early inflation' according to the Academy's website.

The National Academy of Sciences, India was founded in 1930 with the objectives to provide a national forum for the publication of research work carried out by Indian scientists and to provide opportunities for exchange among them. It aims at promoting scientific and technological research related to the problems of societal welfare.

The Academy is financially supported by the Department of Science & Technology, Ministry of Science & Technology, Govt. of India. It is also recognized as the Scientific and Industrial Research Organisation by the DSIR, Govt. of India.

Prof Sen is Member, International Science Development Team; Member, Indian Science Working Group on Epoch of Reionization and Cosmology for Square Kilometer Array (SKA) project; Member, IndIGO Consortium (Indian Initiative in Gravitational- Wave Observations) and Council Member for Indian Associate for General Relativity and Gravitation (IAGRG).

Prof Sen's research interest include- Dark Energy and Late Time Acceleration of the Universe, Inflation and primordial non gaussianity, Gravitational waves and Large-scale structure formation in the universe.

**Prof Saima Saeed**  
Hony. Deputy Media Coordinator

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रोफ़ेसर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, के फेलो चुने गए

सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रोफ़ेसर अंजन आनंद सेन को वर्ष 2016 के लिए प्रतिष्ठित इलाहाबाद स्थित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद (एनएसआई) का फेलो चुना गया है।

अकादमी की वेबसाइट के मुताबिक, प्रो. सेन को एनएसआई के लिए 'हिज़ सिग्निफिकैंट कंट्रीब्यूशन टू कॉस्मोलॉजी, स्पेशिएली डार्क-एनर्जी, विदिन द स्कैलर फुल मॉडल एंड अल्टी इंप्लेशन' के लिए चुना गया है।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद की स्थापना 1930 में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने और उन्हें आपस में आदान प्रदान के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य की गई थी। इसका उद्देश्य सामाजिक कल्याण की समस्याओं से जुड़े वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

यह अकादमी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय रूप से समर्थित है। इस अकादमी को डीएसआईआर, भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

प्रोफ़ेसर सेन, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान विकास टीम, इंडियन साइंस वर्किंग ग्रुप ऑन इपोक ऑफ रिऑनाइजेशन एण्ड कॉस्मोलॉजी फॉर स्कवेयर किलोमीटर एरे (एसकेए) परियोजना, इंडिगो कंसोर्टियम (इंडियन इनिशिएटिव इन जनरल ग्रेविटेशनल- वेव ऑब्जर्वेशन) के सदस्य और इंडियन एसोसिएट फॉर जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन के कार्यकारी सदस्य हैं।

प्रोफ़ेसर सेन के अनुसंधान में- डार्क एनर्जी एंड लेट टाइम एक्सेलरेशन ऑफ द यूनिवर्स, इंप्लेशन एंड प्रिमोरडियल नॉन गॉसिएनिटी, ग्रेविटेशनल- वेव एंड लार्ज स्केल स्ट्रक्चर फॉर्मेशन इन द यूनिवर्स- शामिल हैं।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद

मानद उप मीडिया समन्वयक